**भारत सरकार**

**कृषि मंत्रालय**

**कृषि एवं सहकारिता विभाग**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं0 1095**

**23 मार्च, 2012 के लिए उत्‍तरार्थ**

**विषय: कृषि क्षेत्र में अनुपयोज्‍य आस्‍तियों में वृद्धि**

**1095. श्री राम जेठमलानी:**

 **श्री रामचन्‍द्र प्रसाद सिंह:**

**क्‍या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्‍या कृषि क्षेत्र में बैंकों द्वारा 2006-07 से अभी तक दिये गए ऋण की राशि में भारी बढ़ोत्‍तरी

 की गयी है;

(ख) यदि हां, तो वित्‍त वर्ष 2006-07 के अप्रैल 2006 और दिसम्‍बर, 2011 में बैंकों से कृषि क्षेत्र को

 कितना-कितना ऋण प्राप्‍त हुआ था;

(ग) क्‍या भी सच है कि उपरोक्‍त अवधि के दौरान ऋण के भुगतान न होने से अनुपयोज्‍य

 आस्‍तियों की राशि में भी बढ़ोत्‍तरी हुई है, और

(घ) यदि हां, तो कृषि क्षेत्र में कुल अनुपयोज्‍य आस्‍तियों में से उपर्युक्‍त दोनों अवधियों के दौरान

 कृषि क्षेत्र से अनुपयोज्‍य आस्‍तियों की राशि कितनी-कितनी थी?

**उत्‍तर**

**कृषि एवं खाद्य प्रसंस्‍करण उद्योग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (डा0 चरण दास महन्‍त)**

(क) एवं (ख): जी हां, बैंकों द्वारा प्रदत्‍त कृषि ऋण वित्‍तीय वर्ष 2006-07 (1 अप्रैल, 2006 से 31 मार्च 2007 तक) के दौरान 2,29,400 करोड. रूपए से बढ़कर वित्‍तीय वर्ष 2010-11 (1 अप्रैल, 2010 से 31 मार्च, 2011 तक) के दौरान 4,68,291 करोड़ रूपए हो गया है। वर्ष 2011-12 (1 अप्रैल, 2011 से 31 दिसंबर, 2011 तक) के दौरान ऋण प्रवाह 3,40,716 करोड. रूपए है।

(ग) एवं (घ): कृषि क्षेत्र के अग्रिम के संबंध में अनुसूचित व्‍यवसायिक बैंकों की गैर-निष्‍पादक आस्‍तियां (एनपीए) जैसाकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सूचित की गई हैं, अप्रैल 2006 में 6718 करोड़ रूपए से बढ़कर दिसंबर 2011 में 23390 करोड़ रूपए हो गई है। राष्‍ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की सूचना के अनुसार, सहकारी बैंकों की एनपीए 31 मार्च, 2007 को 33166.95 करोड. रूपए से घटकर 31 मार्च 2010 को 31248.14 करोड़ रूपए हो गई है और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) की एनपीए वर्ष 2007-08 के दौरान 1603.61 करोड़ रूपए से घटकर वर्ष 2010-11 के दौरान 1461.02 करोड़ रूपए हो गई है।